卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्नि जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त
हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

वर्ष 24 | अंक 189 | पृष्ठ 8 | रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) | शुक्रवार | 19 अप्रैल 2024 | मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com | 9897427585 | UTTARANCHAL DARPAN | www.uttaranchaldarpan.in

उत्साह के साथ मना 'लोकतंत्र का उत्सव'

कड़ी सुरक्षा में हुआ मतदान, प्रदेश भर में युवाओं ने मतदान को लेकर दिखाया उत्साह ,अंतिम समय तक नहीं टूटी मतदाताओं की खामोशी

देहरादून/रूद्रपुर/हल्द्वानी/गदरपुर (उद संवाददाता)। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए उत्तराखंड की पांच लोकसभा सीटों पर कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह सात से शांतिपूर्वक मतदान हुआ। उत्तराखंड में कुल 55 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। दोपहर तक प्रदेश भर में करीब 40 प्रतिशत मतदान होने की खबर है। उत्तराखंड में टिहरी गढ़वाल, गढ़वाल, हरिद्वार, अल्मोड़ा, नैनीताल–ऊधम सिंह नगर लोकसभा सीटें हैं। लोकतंत्र के चुनावी महापर्व को लेकर लोगों में उत्साह दिखाई दिया। बुजुर्ग मतदाता भी तमाम दिक्कतों के बावजूद पूरे उत्साह के साथ मतदान करने पहुंचे रहे हैं। देहरादून निवासी पुष्पा भल्ला ने ऑपरेशन होने के बावजूद अपनी जिम्मेदरी बखूबीनिभाई। बेटा उन्हें पोलिंग बूथ ले गया। देहरादून के एक मतदान केंद्र पर मतदान के लिए पहुंच रहे लोगों से मोबाइल बाहर रखवाए जाने पर बूथ के बाहर पुलिस कर्मियों से नोकझोंक हो गई। आयोग की ओर से पहले भी इस संबंध में बताया गया था कि मतदाता अपना वोट डालने जाएं तो मोबाइल, कैमरा, ईयरफोन आदि उपकरणों को घर छोड़कर जाएं।

रूद्रपुर–लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण में आज प्रदेश की पांच सीटों के साथ नैनीताल ऊधमसिंह नगर लोकसभा सीट के लिए भी मतदान हुआ। जिला मुख्यालय में प्रात: से ही मतदाताओं में मतदान के प्रति खासा उत्साह दिखाई दिया। प्रात: 7 बजे से प्रारम्भ हुए मतदान के पहले दो घंटों में ही लगभग 25 प्रतिशत मतदान हो चुका था। जिसके बाद ज्यों ज्यों सूरज की तपिश बढ़ती गई मतदान केन्द्रों पर सन्नाटा परसता गया। कई मतदान कक्षों के बाहर तो प्रात: 10 बजे एक भी मतदाता नजर नहीं आया। शाम 5 बजे तक 70 से 80 प्रतिशत मतदान होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इससे पूर्व कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच निर्धारित समय प्रात: 7 बजे मतदान की प्रक्रिया प्रारम्भ की गई। मतदान प्रारम्भ होने से पूर्व ही सभी मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की लम्बी कतारें लग चुकी थीं। जिसमें महिलाएं, पुरूषों के साथ ही वरिष्ठ जन, युवा, दिव्यांगजन भी शामिल थे। दिव्यांगजन व वरिष्ठ मतदाता मताधिकार का प्रयोग करने के लिए अपने परिजनों के साथ मतदान केन्द्रों पर आये। प्रात: 10 बजे तक अनेक बूथों पर लगभग 30 प्रतिशत तक मतदान हो चुका था। इसके बाद भी जहां संजय नगर खेड़ा, राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय, ट्रांजिट कैम्प, बंगाली कालोनी, फुलसंगा, भूतबंगला, खेड़ा,आवास विकास, रविन्द्र नगर, खेड़ा, आर्य कन्या इंटर (शेष पृष्ठ सात पर)

सबसे कम कद की महिला प्रियंका ने भी किया मतदान

उत्तरकाशी । सबसे कम कद की महिला मतदाता प्रियंका ने मतदान कर लोकतंत्र में अपनी भागीदारी दी। 27 वर्षीय प्रियंका मात्र 64 से.मी. शारीरिक लंबाई होने के कारण जिले की एक विशिष्ट मतदाता हैं। बूथ पर तैनात उत्तरकाशी पुलिस की महिला जवान ने प्रियंका का स्वागत एवं सम्मान किया।

सीएम धामी ने खटीमा में परिवार के साथ डाला वोट

खटीमा(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा में अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। धामी आम मतदाताओं की तरह लाइन में खड़े रहे और अपनी बारी आने पर वोटिंग की।वोटिंग के बाद क्या बोले धामी? मतदान के बाद धामी ने कहा खटीमा स्थित नगरा तराई मतदान केंद्र पर वोट डाल कर लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। आप भी सुदृढ़ और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए बड़ी संख्या में मतदान करें।विशेषकर पहली बार वोट डाल रहे युवा साथियों से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में मतदान कर देश के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में अपना योगदान दें।

अर्जुनपुर में ग्रामीणों ने किया मतदान का बहिष्कार

रोड नहीं तो वोट नहीं के लगे नारे

रूद्रपुर। सड़क नहीं बनने से नाराज अर्जुनपुर के ग्रामीणों ने आज मतदान का बहिष्कार कर दिया। ग्रामीणों को मनाने के लिए प्रशासन के साथ ही कई जनप्रतिनिधि और राजनैतिक दलों के लोग पहुंचे लेकिन ग्रामीण रोड नहीं तो वोट नहीं के नारे लगाते रहे। बहिष्कार के चलते मतदान केन्द्र पर सन्नाटा पसरा रहा। गदरपुर विधानसभा अंतर्गत रायपुर अर्जुनपुर के लोग लम्बे समय से सड़क की मांग कर रहे हैं। सड़क की हालत खस्ता है। आरोप है दशकों से इस सड़क के निर्माण की मांग को नजरअंदाज किया जा रहा है। सड़क का शिलान्यास कई बार किया जा चुका है लेकिन सड़क का निर्माण अब तक नहीं हुआ। हर बार चुनाव में वायदा किया जाता है लेकिन उसके वायदे पर कोई अमल नहीं होता। सड़क निर्माण नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने इस बार मतदान का बहिष्कार करने का ऐलान किया था। सुबह बूथ संख्या 30 ग्रामीण पहुंचे लेकिन वोट नहीं डाला। दोपहर तक 1218 वोटों में से मात्र 39 लोगों ने ही वोट डाला। ग्रामीण बूथ के पास रोड नहीं तो वोट नहीं के नारे लगा रहे थे। इसकी जानकारी मिलने पर प्रशासन के अधिकारियों के साथ ही भाजपा जिला अध्यक्ष गुंजन सुखीजा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजेश बजाज समेत तमाम लोग वहां पहुंचे और ग्रामीणों को मनाने का प्रयास किया। विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासन भी दिया लेकिन ग्रामीण नहीं माने। उनका कहना था कि सड़क बनने के बाद ही वोट डाले लायेंगे। ग्रामीणों (शेष पृष्ठ सात पर)

सौतेली मां ने मासूम बेटी के हाथ पैर बांधकर जमीन में जिंदा दफन किया

आईटीआई थाना क्षेत्र में दिल दहला देने वाली घटना, सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से हुआ राजफाश

■ **मनोज श्रीवास्तव**

काशीपुर। आईटीआई थाना क्षेत्र के खड़कपुर देवीपुरा (लाइन पार) इलाके में एक सौतेली मां ने ईर्ष्या वश मासूम बच्ची को हाथ पैर बांधकर जमीन में जिंदा दफन कर दिया। पुलिस को मामले की जानकारी मिलने पर उसने जब घर के आस–पास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को बारीकी से खंगालना शुरू किया तो पड़ोस के मकान में बच्ची जमीन में दफन पाई गई। रात्रि लगभग 12 बजे स्थानीय लोगों की मौजूदगी में पुलिस ने बच्ची के शव को खोदकर बाहर निकाला। इस घटना को देख सुनकर स्थानीय लोगों की आत्मा अंदर तक कांप गई। फिलहाल पुलिस ने आज बच्ची के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया। जानकारी के मुताबिक खड़कपुर देवीपुरा लाइन पर निवासी इलेक्ट्रीशियन मोनू की शादी लगभग 8 वर्ष पूर्व यही कि रीना नामक युवती के साथ हुई। उसके एक 8 वर्ष की पुत्री सोनी (शेष पृष्ठ सात पर)

दफन करने से पहले दी गयी यातनाएं

काशीपुर। सौतेली मां द्वारा जमीन में जिंदा दफन की गई बच्ची के शव को जब पुलिस ने खोदकर बाहर निकाला तो उसके शरीर और चेहरे पर आग से दागे जाने के निशान पाए गए। जिस घर में उसका शव पाया गया इस घर के कमरे में उसके नाना रामकिशोर किराए पर रहा करते हैं। बताया गया कि मासूम सोनी को ठिकाने लगाने के लिए सौतेली मां लक्ष्मी ने पड़ोस में रहने वाले उसके नाना से पानी भरने के बहाने मेन (शेष पृष्ठ सात पर)

लोकतंत्र का महापर्व : महिलाओं और नये मतदाताओं ने दिखाया उत्साह

मुख्यमंत्री,राज्यपाल , कैबिनेट मंत्रियों और अधिकारियों ने परिवार सहित मतदान कर लोगों से की मताधिकार का प्रयोग करने की अपील

पारंपरिक परिधान पहनकर महिलाओं ने किया मतदान, सेल्फी प्वाइंट पर ली सेल्फी

रानीखेत/चमोली। प्रदेश में लोकसभा चुनाव के लिए लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। पहाड़ से लेकर मैदान तक मतदाता सुबह से ही मतदान के लिए पहुंच रहे हैं। रानीखेत के ताड़ीखेत और चमोली के माणा में महिलाएं अपने पारंपरिक परिदान में वोट देने के लिए पहुंचे।ताड़ीखेत के बेतलघाट में महिलाएं पारंपरिक परिधान में वोट देने पहुंची। रंगवाली पिछौड़ी और नथ, गुलोबंद, मांगटीका पहनकर महिलाएं मतदान के लिए मतदान केंद्र पहुंची। महिलाओं ने सभी से वोट देने की अपील की है। वहीं गढ़वाल मंडल में चमोली जिले में भी महिलाएं अपने पारंपरिक परिधान में वोट देने के लिए पहुंची। महिलाओं ने वोट देकर सभी से अपने अधिकार का प्रयोग करने की अपील की है। महिलाओं ने सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी भी ली।

देहरादून/हल्द्वानी(उद संवाददाता)। देवभूमि उत्तराखंड की पांच लोकसभा सीटों पर लोकतंत्र का महापर्व पहले चरण का मतदान शुरू हो गया है। बूथों पर पहली बार मतदान के लिए नये मतदाताओं के साथ महिलाओं और युवाओं में उत्साह नजर आ रहा है। आज कुमांऊ की दो और गढ़वाल मंडल की तीन लोकसभा सीटों पर मतदान हो रहा है। प्रदेश के 83 लाख से ज्यादा मतदाता 55 प्रत्याशियों का भाग्य तय करेंगे। बह सात बजे से ही मतदान केंद्रों पर भीड़ देखने को मिल रही है। मतदान को लेकर आम जनता में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। देहरादून, हरिद्वार, चमोली, पौड़ी, नैनीताल, अल्मोड़ा, बागेश्वर, चंपावत और पिथौरागढ़ सहित अन्य जनपदों के मतदान केंद्रों पर लंबी-लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। सीएम धामी ने अपनी पत्नी श्रीमती गाता धामी एवं माताजी के साथ खटीमा स्थित नगरा तराई मतदान केंद्र पर वोट डाल कर लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड के सभी मतदाताओं से बढचढ़ कर मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि आप भी सुदृढ़ और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए बड़ी संख्या में मतदान करें। विशेषकर पहली बार वोट डाल रहे युवा साथियों से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में मतदान कर देश के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में अपना योगदान दें। उत्तराखंड में चुनावी मैदान में उतरे प्रत्याशियों ने अपने-अपने बूथ स्थल पर वोट डाला। वहीं खटीमा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने परिवार के साथ मतदान किया। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) तथा प्रथम महिला श्रीमती गुरमीत कौर ने शुक्रवार को पोलिंग बूथ शहीद मेख बहादुर गुरुंग कैंट कन्या इंटर कॉलेज, गढ़ी, पहुंच कर लोकसभा निर्वाचनख 2024 में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राज्यपाल ने कहा की लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक वोट अनमोल और मतदान सबसे बड़ा दान है। उन्होंने कहा की सभी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। राज्यपाल ने कहा कि मतदान करना, अधिकार के साथ-साथ कर्तव्य भी है। मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र की सुदृढ़ता में अपना अमूल्य योगदान दें। प्रथम महिला श्रीमती गुरमीत कौर ने भी सभी मतदाताओं से लोकतंत्र के उत्सव में बढ़ चढ़कर भागीदारी की अपील की। हरिद्वार लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी और पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने देहरादून में पत्नी संग वोट किया । वही प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोगों से अनिवार्य रूप से मतदान करने की अपील की है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी.आर.सी.पुरुषोत्तम ने देहरादून के मसूरी विधानसभा स्थित फ्लावर डेल स्कूल में अपना मतदान किया। प्रदेश में लोकसभा चुनाव के पहले चरण की पांच सीटों पर मतदान की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आज 55 प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम कैद हो जाएगा। प्रदेश के 83 लाख से ज्यादा मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। बता दें कि प्रदेश में कुल 83,37,914 मतदाता हैं। जिसमें 40,20,038 महिला मतदाता और 43,17,579 पुरूष मतदाता हैं। जबकि 297 ट्रांसजेंडर मतदाता हैं। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल श्री भगत सिंह कोश्यारी ने मतदान किया। उन्होंने मतदाताओ से अपील करते हुए कहा कि मैंने मतदान कर दिया है, आप भी अपने वोट का उपयोग अवश्य करें और लोकतंत्र के महापर्व में एक जिम्मेदार और जागरूक नागरिक की भूमिका निभाएं। कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत ने प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग कार्यालय ताल्लीताल में मतदान किया। दीपक रावत ने समस्त मतदाताओं से अपील की है कि लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदान अवश्य करें और लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। गढ़वाल लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी गणेश गोदियाल ने विधानसभा श्रीनगर के भटकोट मतदान केंद्र पर मतदान किया। भाजपा प्रत्याशी अनिल बलूनी मुख्यालय पौड़ी में वोट किया। उत्तराखंड विधानसभ अध्यक्ष श्रीमती ऋतु भूषण खंडूरी ने मतदान कर लोगों से मतदान करने की अपील की है। चुनाव हमारे लोकतंत्र का महापर्व है। मतदान प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने रानीखेत में अपने बूथ पर मतदान किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की पांच न्याय पच्चीस गारंटी भारत के लोगों में 10 साल के अन्याय-काल के बाद एक नई उम्मीद जगा रही है। कांग्रेस की गारंटी वक्त की मांग है। यह देश की पीड़ित जनता की आवाज है।जनता की उम्मीदों को साकार करने के लिए कांग्रेस को वोट करें। उत्तराखंड में बदलाव और न्याय के लिए लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस पार्टी के पांचो प्रत्याशी पौड़ी गढ़वाल से गणेश गोदियाल , टिहरी गढ़वाल से जोत सिंह गुनसोला, अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ से प्रदीप टम्टा हरिद्वार से वीरेंद्र रावत नैनीताल-उधम सिंह नगर से प्रकाश जोशी के पक्ष में वोट करें। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने मतदार कर प्रदेशवासियों से भाजपा के समर्थन मे मतदान करने की अपील की। उन्होंने उत्तराखंड में पांचों भाजपा प्रत्याशियों को विजय बनानेकी अपील की।

सुल्तान और दिलबाग की रिमांड पूरी शूटर सर्बजीत सिंह का कोई सुराग नही

खटीमा। बाबा तरसेम सिंह हत्याकांड का दूसरा शार्प शूटर सर्बजीत सिंह का 22 दिन बाद भी पुलिस के हाथ कोई सुराग नहीं लग सका है। लोकेशन न मिलने के कारण पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर पा रही है। बीते 28 मार्च को डेरे में घुसकर तरनतारण, पंजाब निवासी सर्बजीत सिंह और बिलासपुर, यूपी निवासी अमरजीत सिंह ने गोली मारकर बाबा तरसेम सिंह की हत्या कर दी थी। शार्प शूटर अमरजीत को पुलिस नौ अप्रैल को हरिद्वार जिले में मुठभेड़ में ढेर कर चुकी है लेकिन दूसरे शार्प शूटर सर्बजीत सिंह का अभी तक कोई सुराग नहीं लग सका है। उसकी तलाश में पुलिस यूपी, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में लगातार दबिश दे रही है। इधर, हत्याकांड के मास्टरमाइंड का पता लगाने के लिए पुलिस टीमें लगातार जांच में जुटी हुई है। बाबा तरसेम सिंह की हत्या के षडयंत्र में शामिल नौ लोगों को अब तक पुलिस गिरफ्तार कर चुकी हैं। इनमें से दो अभियुक्तों शाहजहांपुर निवासी दिलबाग सिंह और बिलासपुर निवासी सुल्तान सिंह को पूछताछ के लिए दो दिन की कस्टडी रिमांड भी ली गई थी। रिमांड के दौरान दिलबाग की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त राइफल भी बरामद कर ली है। दो दिन की रिमांड पूरी होने के बाद बृहस्पतिवार को पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। सूत्रों के मुताबिक पूछताछ में सुल्तान सिंह से भी कुछ जानकारी मिली है, जिनके माध्यम से पुलिस को हत्याकांड के मास्टर माइंड तक पहुंचने में मदद मिल सकती है।

मौर्य एकेडमी की नेहा ने किया नाम रोशन

गदरपुर(उद संवाददाता)। क्षेत्र में सेना और पुलिस से रिटायर्ड अधिकारियों द्वारा संचालित मौर्य एकेडमी इस क्षेत्र में सर्वाधिक रिजल्ट देने वाली एकमात्र ऐसी एकेडमी है जहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर छात्र-छात्राएं सभी सरकारी नौकरियों में चयनित होकर रिकॉर्ड बना रहे हैं और इस क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं। एकेडमी डायरेक्टर आनंद कुमार ने बताया कि एकेडमी की छात्रा नेहा पुत्री

यशपाल सिंह निवासी-भोला कॉलोनी,वार्ड नंबर 1 गदरपुर उधम सिंह नगर ने उत्तराखंड हाई कोर्ट जूनियर असिस्टेंट (ग्रुप सी) की परीक्षा पास कर मौर्य एकेडमी और अपने मां-बाप का नाम रोशन किया है। एकेडमी डायरेक्टर आनंद कुमार ने बताया कि नेहा इस एकेडमी की एक मेधावी छात्रा है जोकि इससे पहले भी एसएससी (जीडी) 2023 ओर क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी की लिखित परीक्षा पास कर चुकी हैं। एकेडमी डायरेक्टर आनंद कुमार ने नेहा को आशीर्वाद देते हुए आने वाली परीक्षाओं के बारे में मार्गदर्शन दिया और एकेडमी के समस्त स्टाफ एवं एकेडमी के सभी छात्र-छात्राओं ने नेहा को उत्तराखंड हाई कोर्ट जूनियर अस्सिटेंट (ग्रुप सी) की परीक्षा पास करने पर हार्दिक शुभकामनाएं दी और इनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

क्या अंग्रेजी दवाईयां आपका रोग ठीक करने में नाकाम हैं तो मिलें-
विजय आयुर्वेद क्लीनिक
पंचकर्म सेन्टर
निम्न रोगों के इलाज में 16 वर्षों का अनुभवः-
पार्किंसन्स, अल्जाइमर, मानसिक विकार,निःसन्तान स्त्री-पुरुष की सभी चिकित्सायें, ट्यूब ब्लॉक, सिस्ट, शुक्राणुओं की कमी आदि। डिस्क प्रोलेप्स सर्वाइकल, गठिया, घुटने का दर्द,किडनी रोग (डायलिसिस से पहले)
लीवर सिरोसिस, हैपेटाइटिस B&C, Fatty Liver प्रोस्टेट रोग
असाध्य एवं लाइलाज रोगियों की चिकित्सा शुद्ध आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा की जाती है।
DR. VIJAY PRAKASH MISHRA M.D. (Ayurveda) Mob.: 9410897970
DR. ASHVINI MISHRA M.D. (Ayurveda) स्त्री एवं त्वचा रोग
मिलने का समय : प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक (शुक्रवार अवकाश)
होटल राजश्री के सामने, गली नं० 2, डॉक्टर्स कालोनी डी। डी 2 सिविल लाईन, रूद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

रेरा एप्रूव्ड कालोनी
30 से 60 तक चौड़ी सड़कें,
बड़े-बडे पार्क, गेट बंद कालोनी
90 प्रतिशत तक ऋण सुविधा,
सीवरेज, स्ट्रीट लाईट
डायनामिक गार्डन सिटी
तोमर कंस्ट्रक्शन
श्री राधा स्वामी सत्संग घर गेट नं. 7 के सामने किच्छा रोड, रूद्रपुर
मोबा. 9557222289,7088169159
☛ 100 से 400 गज तक के प्लाट
☛ 100,160, 200 गज विला
☛ खरीदने व बेचने हेतु सम्पर्क करें।

उत्तराखंड में ढाई लाख से अधिक सरकारी, संविदा, आउटसोर्स कर्मचारी वोटर्स मोड़ सकते है चुनाव की हवा

देहरादून। उत्तराखंड के ढाई लाख से ज्यादा सरकारी, संविदा, आउटसोर्स कर्मचारी राज्य में चुनावी हवा बनाने और चुनाव का रुख मोड़ने का दम रखते हैं। इन कर्मचारियों की मुख्य मांगें राष्ट्रीय स्तर भी एक साथ उठती आ रही हैं। कई सरकारों ने इनकी मांगों को प्राथमिकता दी और सत्ता में आने पर पूरा भी किया। उत्तराखंड में ढाई लाख से अधिक सरकारी और अन्य कर्मचारी हैं। इनमें 1,75,000 तो सरकारी कर्मचारी हैं, जो सीधे तौर पर हर माह वेतन सरकार से पाते हैं। उपनल, संविदा, आउटसोर्स के मिलाकर करीब 40 हजार कर्मचारी हैं और निगमों-निकायों के भी करीब 40 हजार कर्मचारी हैंउत्तराखंड के ढाई लाख कर्मचारी भी चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाएंगे। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि इस बार के चुनाव में भी कर्मचारियों के पास कई मुद्दे हैं, लेकिन इनमें सबसे बड़ा मुद्दा पुरानी पेंशन बहाली का है। राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष बीपी सिंह रावत का कहना है कि देश के 85 लाख एनपीएस कार्मिक हैं। वोट शत-प्रतिशत हो, इसके लिए एनपीएस कार्मिक जनजागरण अभियान चला रहे हैं, ताकि वोट देने से कोई रह न जाए। इसके अलावा भी कर्मचारियों के पास ऐसे कई मुद्दे हैं, जिनके समाधान की वो आस लगाए बैठे हैं। कर्मचारी नेताओं के मुताबिक आयकर सीमा कम से कम 10 लाख रुपये करने, संविदा व उपनल कर्मचारियों का नियमितीकरण और आठवें वेतन आयोग का गठन भी कर्मचारियों की मुख्य मांगों में शामिल हैं। वो कहते हैं कि भले ही इन मुद्दों का अभी तक समाधान नहीं हो पाया है, लेकिन उम्मीद है कि अब जिस भी पार्टी की सरकार आएगी, वो इनका समाधान जरूर करेगी। आयकर सीमा बढ़ाने को लेकर वैसे तो लंबे समय से कर्मचारियों की निगाहें केंद्र की ओर रही हैं। हर साल उनका वेतन भले बढ़ रहा हो, लेकिन आयकर सीमा का स्लैब न बढ़ने की वजह से उनकी देनदारियां भी बढ़ रही हैं। लिहाजा, वेतन बढ़ोतरी के बावजूद उनकी कटौतियां मुश्किलें बढ़ा रही हैं। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि आने वाली सरकार आयकर सीमा को बढ़ाकर कम से कम 10 लाख करे। इससे कर्मियों की आर्थिक स्थिति और भविष्य कुछ सुरक्षित होगा। देश में सातवें वेतन आयोग का गठन 28 फरवरी 2014 को हुआ था। उत्तराखंड में एक जुलाई 2016 से सातवें वेतनमान का लाभ दिया गया। अब सभी कर्मियों की निगाहें आठवें वेतनमान पर हैं। कर्मचारियों का मानना है कि जो भी नई सरकार सत्ता में आए, वह अगले वेतनमान के बारे में बात करे। कुछ अहम फैसला ले, ताकि उनकी यह उम्मीद भी पूरी हो जाए।

दिव्यांगों के लिए विशेष सेमिनार आयोजित

देहरादून (उद संवाददाता)।नव्य भारत फाउंडेशन (एनबीएफ भारत) एवं सशक्त स्पेशल स्कूल,बाला वाला , देहरादून, द्वारा 'मिशन अपर्णा शक्ति' के अंतर्गत एक विशेष सेमिनार दिव्यांगजनों के लिए आयोजित किया गया। सेमिनार में प्रखर वक्ता साध्वी सुश्री अरुणिमा भारती,कोर्डिनेटर ,दिव्य ज्योति जागृति संस्थान ,देहरादून मुख्य अतिथि रूप में उपस्थित रही। उन्होंने दिव्यांग जनों को धर्म के मार्ग पर प्रशस्त होने का संदेश दिया। सेमिनार में डा० अनिरुद्ध उनियाल, फिजियोथेरेपिस्ट , पीजीआई चंडीगढ़ मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे उन्होंने बाधा मुक्त वातावरण दिव्यांग जनों के लिए विषय पर संबोधित किया और दिव्यांग जनों को दिव्य अंग धारण करने वाला प्रभु की सबसे सुंदर कृति बताया। सेमिनार की अध्यक्षता उषा राणाजी उपनिदेशक,सशक्त स्पेशल स्कूल ने की। उन्होंने उपस्थित सभी गणमान्य लोगों का आभार व्यक्त किया साथ ही दिव्यांग जनों के लिए नव्य भारत फाउंडेशन द्वारा विशेष निशुल्क परामर्श कैंप निरंतर आयोजित करवाया जा रहा है, साथ ही साध्वी जाह्नवी भारती, डॉ०साक्षी, शिवांश उनियाल, शताक्षी उनियाल, अनीता त्रिपाठी जी प्रधानाचार्य ओशियन इंटरनेशनल स्कूल ,गीता,नितीन आदि कई संस्था के लोग , व दिव्यांग जन एवं उनके परिवार के सदस्य उपस्थित रहे ।

रामनगर में भी चुनाव को लेकर दिखा उत्साह

रामनगर(उद संवाददाता)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर मतदाताओं में भारी उत्साह देखने को मिला सुबह 7बजे से ही नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न विभिन्न वूथो पर मतदाताओं की लंबी लाइनें देखने को मिली शाम 5 बजे तक मतदान किया जाएगा लेकिन मतदान को लेकर जहां एक और मतदाता चुनाव आयोग द्वारा की गई व्यवस्थाओं को लेकर खुश दिखाई दिए तो वही पहली बार मतदान कर रहे मतदाताओं में भी खुशी देखी गई। बता दें कि 85 वर्ष से अधिक उम्र वाले मतदाताओं का मतदान पूर्व में ही चुनाव में ड्यूटी कर रहे मतदान कर्मियों द्वारा

घर-घर जाकर कराने की कार्रवाई की गई थी इसके साथ ही आज हुए मतदान में 60 वर्ष से अधिक उम्र वाले मतदाताओं के साथ ही विकलांग मतदाताओं के लिए भी मतदान केदो पर मतदान करने के लिए अलग से व्यवस्था की गई थी मतदान को लेकर सभी मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला तो वही भीषण गर्मी में भी मतदाता लाइन में लगकर अपना मत डालने की प्रतीक्षा में घंटों तक खड़े रहे तो वहीं प्रशासन भी शांतिपूर्ण ढंग से मतदान कराने को लेकर पूरी तरह अलर्ट मोड पर दिखाई दिया।

धूमधाम से मना अष्टमी का महापर्व

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। वैष्णवी शक्ति पीठाधीश्वरी मां हंसेश्वरी भारती जी महाराज पूज्यनीय स्वर्ग फर्म वाली देवी जी के स्थान वैष्णवी शक्तिपीठ आश्रम , आदर्श कॉलोनी पर अष्टमी का महापर्व बहुत ही धूमधाम से मनाया गया । पूज्यनीय माता जी पहले नवरात्रे में तपस्या के लिए गर्भ गृह में प्रवेश करती है और अष्टमी के दिन फिर भक्तो को दर्शन देती है । इसी क्रम में अष्टमी को दिन में 12 बजे माता जी ने भक्तो को दर्शन दिए और सभी ने माता जी से आशीर्वाद लिया । तत्पश्चात हवन और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमे सभी भक्तो ने प्रसाद ग्रहण किया। रात्रि 10 बजे मां भगवती का विशाल जागरण आरंभ हुआ जिसमे 7 जोड़ो ने माता हंसेश्वरी देवी जी के सानिध्य में ज्योति प्रचंड की और सुंदर भेंटों का सिलसिला शुरू हुआ जो की पूरी

रात चलता रहा। इस अवसर पर महंत भजन प्रकाश अरोड़ा , श्याम खुराना, कथा व्यास राजवीर शास्त्री जी, राजीव ग्रोवर, राजेश आनंद,लक्ष्य शर्मा , सुनीता अरोड़ा,नरेश घई,हरीश अरोड़ा ,कंचन ,जगदीश, राधेश्याम बंसल , प्रवीण जैन, सूरज कुमार, सुरेश छाबड़ा, दिवाकर पांडे, गगन,मनोज अरोड़ा,प्रेम ककके , सूरज कक्के, अंकित कक्के, अशोक अरोड़ा, सतनाम सिंह,जीतू अरोरा मौजूद थे।

शैली स्कूल के पूर्व प्रबंधक दंपत्ति से साइबर ठग ने मांगी रंगदारी

सितारगंज (उद संवाददाता)।शैली स्कूल पूर्व प्रबंधक दंपत्ति को साइबर ठग ने व्हाट्सएप कॉल कर उनके पुत्र को अगवा करने की फर्जी सूचना देकर ठगी का प्रयास किया। बाकायदा ठग ने मोबाइल की तकनीक का इस्तेमाल कर स्कूल प्रबंधक दंपत्ति को पुत्र के रोने, पीटने की आवाज दंपत्ति को सुनाई। जिस वजह से उनकी पत्नी डर गई। ठग ने मोबाइल फोन पर डीएसपी रैंक के अफसर की डीपी भी लगा रखी थी। पूर्व स्कूल प्रबंधक ने जागरूकता दिखाते हुए ठग की साजिश को समझ लिया। जिस वजह से वह शिकार होने से बच गए। उन्होंने कॉलर की फर्जी सूचना मौखिक रूप से पुलिस को दी। क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यवसाई राजेश शैली गुरुवार दोपहर कोतवाली पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पत्नी के मोबाइल फोन पर व्हाट्सएप कॉल आई। जिसमें डीएसपी रैंक के पुलिस अधिकारी की डीपी लगी हुई है। फोन करने वाले आरोपी ने उनके बेटे को चार साथियों के साथ अगवा करने की जानकारी दी। आरोप लगाया इस दौरान ठग ने बकायदा उनके पुत्र की डिक्टो आवाज भी सुनाई। फिर पुत्र को छोड़ने के एवज में पैसों की मांग करने लगा। जिस पर उन्हें संदेह हो गया। उन्होंने पुत्र को फोन लगाया और वीडियो कॉल के जरिए उसके सुरक्षित होने की पुष्टि की और जागरूकता दिखाते हुए ठगी का शिकार होने से बच गए। इसके बाद पीड़ित कोतवाली पहुंचे। पुलिस से वार्ता करने के बाद राजेश शैली संतुष्ट होकर वापस चले गए।

जनता इंटर कालेज में ईवीएम हुई खराब, मतदान बाधित

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जनता इंटर कालेज मतदान केन्द्र में आज प्रात: बूथ संख्या तीन में उस समय मतदान अधिकारियों में हड़कम्प मच गया जब कक्ष में लगाई गई ईवीएम खराब हो गई जिससे मतदान प्रक्रिया पूरी तरह से बाधित हो गई और मतदाता शोर मचाने लगे। मामले की सूचना मिलते ही एसएसपी मंजूनाथ टीसी व चुनाव अधिकारी मौके पर आ पहुंचे और उन्होंने मतदाताओं को समझाबुझाकर शांत किया। उन्होंने सभी को लाईन में बैठाकर उन्हें पानी व जूस पिलवाया। जिसके बाद ईवीएम की व्यवस्था कर दोबारा मतदान शुरू करवाया गया। जिससे मतदान लगभग 20 मिनट तक रूका रहा।

मतदान के दौरान एसएसपी ने युवाओं को किया प्रेरित

रूद्रपुर। मतदान के दौरान एसएसपी डॉ0 मंजुनाथ टीसी ने पहली बार मतदान कर रहे युवाओं को मतदान जागरूकता संबंधी बेज लगाकर मदान के लिए प्रेरित किया। उन्होनें देश के लोकतंत्र में अधिक से अधिक मात्रा में मतदान कर युवाओं को चुनाव में अपनी भागीदारी बढ़ाने का दिया संदेश दिया।

ऊधमसिंहनगर जनपद में मतदान के लिए लगी लोगों की कतारें एवं मतदान के बाद खुशी जताते मतदाता

दुल्हा दुल्हन ने वोट डालकर मनाया लोकतंत्र का पर्व

लालकुंआ/हरिद्वार। लाल कुआं विधानसभा क्षेत्र के दैलिया मतदान केंद्र पर एक ऐसा नजारा देखने को सामने आया जहां दूल्हा दुल्हन मतदान स्थल पर पहुंचे। यहां दुल्हन ने मतदान कर इस लोकतंत्र के पर्व में अपनी भागीदारी निभाई। दुल्हन ने बताया कि गुरुवार रात उसकी शादी हुई है और आज मतदान के दिन उसकी विदाई हो रही है, लेकिन विदाई से पहले उसने अपना मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र को मजबूत बनाने का काम किया है। दुल्हन गायत्री चंदोला ने बताया कि दैलिया गांव से पली बढ़ी है और वर्तमान में वह बेंगलुरु में जॉब करती है। बेंगलुरु निवासी रवि शंकर त्रिपाठी से उसकी शादी हुई है। गायत्री ने शादी के बाद विदाई से पहले मतदान स्थल पर पहुंच अपना मताधिकार का प्रयोग किया है। उधर हरिद्वार के पथरी थाना क्षेत्र के धनपुरा निवासी शिवानी की शादी बीती रात हुई। विदाई से पहले शिवानी आज सुबह पहले अपने पति के साथ वोट डालने पहुंची और उसके बाद ससुराल के लिए विदा हुई। पौड़ी जिले के विकासखंड कोट के राजकीय प्राथमिक विद्यालय रणाकोट में दुल्हन के द्वारा वोट डाला गया। इस दौरान दूल्हा-दुल्हन दोनों मतदान स्थल पर पहुंचे।

दिव्यांग मतदाताओं ने भी दिखाया उत्साह

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। लोकसभा चुनाव की वोटिंग में दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं ने भी खासा उत्साह दिखाया। दिव्यांगजन बड़ी संख्या में बूथों पर वोट डालने पहुंचे। दिव्यांगों के लिए प्रशासन ने विशेष इंतजाम किये थे। दिव्यांगों को प्रशासन की ओर से व्हील चेयर की सुविधा उपलब्ध कराई गयी। सुबह कई बूथों पर दिव्यांगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इससे पहले कई दिव्यांग जनों के लिए घर पर ही मतदान की व्यवस्था की गयी थी।

किच्छा में कई बूथों पर मतदान के लिए नहीं दिखा उत्साह

किच्छा(उद संवाददाता)। किच्छा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत संसदीय चुनाव के लिए प्रात: 7 बजे से शांतिपूर्ण मतदान प्रारंभ हुआ प्रात: से ही विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सभी बूथों पर मतदाताओं की लाइन लगना शुरू हो गई थी। ग्रामीण क्षेत्रों में भी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए बूथों पर पहुंचने लगा था। वहीं शहरी क्षेत्र में मतदाताओं में कुछ क्षेत्रों को छोड़कर मतदान के प्रति उत्साह नहीं दिख रहा था। कई कई बूथों पर तो सन्नाटा पसरा हुआ था किंतु मतदान प्रक्रिया को लेकर पुलिस प्रशासन, जिला निर्वाचन एवं स्थानीय प्रशासन मुस्तैद नजर आया जगह-जगह पर पंजाब पुलिस, यूपी पुलिस ,उत्तराखंड पुलिस के अलावा आइटीबीपी के साथ ही खुफिया विभाग पूर्ण रूप से मुस्तैद नजर आया तथा प्रत्येक बूथ पर आला अधिकारियों की पैनी निगाह बनी हुई थी। नगर के प्राथमिक विद्यालय प्रथम जनता, इंटर कॉलेज, जीजीआईसी ,कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सहकारी गन्ना समिति, प्राथमिक विद्यालय बंडिया , प्राथमिक विद्यालय सिसई सहित तमाम स्थलों पर शांतिपूर्ण ढंग से मतदान चल रहा था कुछ बूथों को छोड़कर अधिकांश बूथों पर मतदाताओं की संख्या खास नजर नहीं आ रही थी जिससे प्रतीत हो रहा था कि मतदाताओं का उत्साह मतदान के प्रति नही बन पाया है। कुछ बूथों पर मतदाता तपती धूप में भी अवश्य खड़े नजर आए।

मजदूरों की झोपड़ियों में लगी आग ,चार झोपड़िया जलकर राख

बीस लाख से अधिक का नुकसान, कई पालतू पशु जलकर मरे

लालकुआं(उद संवाददाता)। हल्दूचौड़ के गंगापुर कबडवाल ग्राम पंचायत के भानदेव नवाड़ गांव में 4 मजदूरों की झोपड़ियों में अज्ञात कारणों से अचानक भीषण आग लगने से उक्त झोपड़िया जलकर स्वाहा हो गई। जिसके चलते मजदूरों का घरेलू सामान आग में जलकर भस्म हो गया,और कई पालतू पशु भी आग की चपेट में आ गये। सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर बिग्रेड की टीम जबतक आग पर काबू पाते तब तक झोपड़िया जलकर पूरी तरह स्वाहा हो चुकी थी। जानकारी के अनुसार गांव में रह रहे उक्त मजदूर खेती का कार्य करते है और थोड़ी थोड़ी जमीनें खरीदकर यह झुग्गियां बनाकर रहते हैं। गुरुवार शाम नेतराम पुत्र गंगाराम की झोपड़ी से अचानक आग की लपटें निकलने लगी, जब तक परिवार के लोग कुछ समझ पाते तब तक आग झोपड़ी में पूरी तरह फैल चुकी थी, परिवार वालों ने बमुश्किल झोपड़ी से निकलकर अपनी जान बचाई, नेतराम के चार छोटे-छोटे बच्चे हैं, आग लगने के दौरान उसका घरेलू गैस सिलेंडर तेज आवाज के साथ फट गया, जिसके चलते झोपड़ी के भीतर ही मौजूद गौशाला में बंधी उसकी एक गाय और भैंस की बछिया की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गाय बुरी तरह घायल हो गई, अग्निकांड में नेतराम का सारा सामान, कपड़े बिस्तर एवं जेवर जलकर राख हो गए, जिसमें लगभग 5 लाख से अधिक नुकसान का अनुमान है। इसके बाद उक्त आग पड़ोसी नन्हेंलाल पुत्र किशन लाल की झोपड़ी ने पकड़ ली, जहां नन्हेंलाल का पेट्रोमैक्स सिलेंडर जल गया, और घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया, तथा गौशाला में बंधी भैंस की बछिया बुरी तरह जख्मी हो गई, नन्हेंलाल का उक्त अग्निकांड में 3 लाख से अधिक का नुकसान हुआ है। तीसरी झोपड़ी पड़ोस में रहने वाले छत्रपाल पुत्र केदारनाथ की थी, जिसके घर में रखे पूरे सामान को आग ने अपनी चपेट में ले लिया, जिसमें उसकी वाशिंग मशीन, टीवी, पंखे समेत सारा घरेलू सामान जलकर राख हो गया, अग्निकांड में छत्रपाल का तीन लाख रुपए से भी अधिक का नुकसान हुआ है। चौथी झोपड़ी राइस मिल में कार्य करने वाले सोहनलाल की थी, जिसके घर में दो घरेलू सिलेंडर फटने के चलते दो तेज धमाके हुए, जिसने आसपास के घरों को भी हिलाकर रख दिया, सोहनलाल आज सुबह ही मार्केट से राइस मिल की वसूली के डेढ़ लाख रुपए नगद लाया था, जो कि घर पर ही रखे थे, वह भी आग की चपेट में आकर राख हो गए, तथा सोहनलाल का सारा सामान भी जलकर भस्म हो गया, इसके अलावा उक्त झोपड़ियों के पड़ोस में स्थित लक्ष्मी दत्त और डोरे लाल के पक्के मकानों की खिड़कियां तक जल गई, तथा शीशे चटक कर चूर हो गए, उनकी छतों में रखी पानी की टंकियां भी पिघल गई, तथा दीवार में दरार आने की भी बातें सामने आ रही है। कुल मिलाकर उक्त अग्निकांड से चार परिवारों का सब कुछ जलकर राख हो गया। आग की सूचना के उपरांत मौके पर पहुंचे उपराज्य निरीक्षक लक्ष्मी नारायण यादव द्वारा समाचार लिखे जाने तक नुकसान का आंकलन किया जा रहा था। साथ ही पशुपालन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचकर पशुओं की मौत होने की जांच में लगे हुए थे। मजदूरों की झोपड़ियों में आग की सूचना पर स्थानीय समाजसेवी संजू कबाड़वाल ने मदद लिए हाथ आगे बढ़ाए हैं। उन्होंने अग्नि कांड प्रभावितों के लिए भोजन का इंतजाम करने ओर शासन प्रशासन से उन्हें उचित मुवावजा दिलाए जाने का भरोसा दिया है। पूरी तरह बर्बाद हो चुके उक्त चार परिवारों को मदद के लिए क्षेत्र के तमाम संगठनों से व्यापक स्तर पर अपील की जा रही है।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

ग्रामीण विकास की योजनायें

हाल में हुए सेंटर फार मानिटरिंग इंडियन इकोनामी (सीएमआई) के ताजा सर्वेक्षण में बताया गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ता मांग तेजी से बढ़ी है। यहां टीवी, फ्रिज, कूलर, पंखा, एसी आदि की मांग 2019 के कोरोना काल के बाद 25.82 फीसद बढ़ी है। अप्रैल 2020 में सिर्फ 2.03 फीसद ग्रामीण उपभोक्ता मान रहे थे कि टीवी, फ्रिज, कूलर, एसी, पंखे, ट्रैक्टर, दुपहिया वाहन आदि खरीदने का उनके लिए यह सबसे अच्छा समय है, लेकिन अब 27.85 फीसद ग्रामीण उपभोक्ता मानते हैं कि वर्तमान समय इसके लिए सबसे बेहतर है। लोकसभा चुनाव के दौर में धन के प्रवाह को भी इसकी एक वजह माना जा रहा है। इसी वर्ष जनवरी में ग्रामीण उपभोक्ता मांग का सूचकांक कम हो गया था, मगर चुनाव की घोषणा के बाद मार्च में तेजी आने लगी। रपट में यह भी कहा गया है कि ग्रामीण उपभोक्ता मानते हैं कि अगले पांच साल उनकी वित्तीय स्थिति और अच्छी बनी रहेगी। अप्रैल 2019 में 29.74 फीसद ग्रामीण मानते थे कि आर्थिक हालात बेहतर हैं, लेकिन मई 2021 में ऐसा मानने वाले सिर्फ 2.93 फीसद रह गए थे। चुनाव की तिथियां घोषित होने के बाद मार्च 2024 में बढ़कर यह संख्या 31.60 फीसद हो गई है। वाहन उद्योग में भी ग्रामीण उपभोक्ता मांग में तेजी आई है। कुछ दिनों पहले आरबीआइ के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बताया था कि वित्तवर्ष 2020-23 की दूसरी तिमाही में दुपहिया वाहनों की 30.3 फीसद और ट्रैक्टर की बिक्री 16.1 फीसद बढ़ी है। ग्रामीण वित्त विशेषज्ञों का मानना है अगले पांच वर्षों में ग्रामीण उपभोक्ता मांग में और तेजी आने की संभावना है। ग्रामीण उपभोक्ता मांग में बढ़ोतरी के कई कारक हैं, जिनमें ग्रामीण आय में वृद्धि प्रमुख है। विगत कुछ वर्षों में ग्रामीण जीवन स्तर में सुधार हुआ है। सरकारों ने इसके लिए बहुत से प्रयास किए हैं। इनमें गरीबी और असमानता को कम करने, सामाजिक सुरक्षा, आय सृजन और आजीविका के विकल्प प्रदान करने और देश में आबादी के कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु किए जाने वाले उपाय शामिल हैं। इसके लिए कई लक्षित कार्यक्रम शुरू किए गए, जिनमें प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, प्रधानमंत्री जन-धन योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैंड-अप इंडिया योजना, अल्पसंख्यकों और अन्य कमजोर वर्गों के लिए अंब्रेला कार्यक्रम, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, पीएम-किसान के तहत फंड ट्रांसफर, पीएम फसल बीमा योजना का दावा भुगतान, उर्वरक सब्सिडी, डेयरी सहकारी समितियों और कृषि-बुनियादी ढांचे के लिए ब्याज छूट, फार्म गेट इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए फंड उपलब्ध कराना आदि प्रमुख हैं। ग्रामीण उपभोक्ता आय में वृद्धि की दृष्टि से डीबीटी योजना सबसे महत्त्वपूर्ण है। इसमें जिन योजनाओं के अंतर्गत नकद भुगतान की व्यवस्था है, उनमें धन को सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में हस्तांतरित कर दिया जाता है। फिलहाल इस व्यवस्था में सरकार के 53 मंत्रालयों की 310 योजनाएं शामिल हैं, जिनमें प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, पीएम किसान, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, अटल पेंशन योजना, राष्ट्रीय आयुष मिशन आदि के अंतर्गत दिए जाने वाले लाभ शामिल है।

घातक युद्ध में बदला छद्म युद्ध

ईरान और इजरायल के बीच युद्ध के हालात निर्मित हो गए हैं। सीरिया में वाणिज्य दूतावास पर हमले के बाद ईरान ने पलटवार करते हुए व्यापक पैमाने पर इजरायल पर ड्रोण और मिसाइलों से हमले किए। ये दोनों प्रमुख शत्रु देश माने जाते हैं। इनके बीच सालों से छद्म युद्ध चल रहा है, परंतु यह पहली बार है, जब इनके बीच सीधी लड़ाई सामने आई है। हालांकि इजरायल ने ईरान से छोड़े गए ज्यादातर घातक हथियारों को आसमान में ही निष्क्रिय कर दिया। इस कारण उसे ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। एक सैन्य अड्डे पर हानि के साथ, एक युवती गंभीर रूप से घायल हुई है। लेकिन इन हमलों ने रूस-यूक्रेन और इजराइल-हमास के बीच चल रहे भीषण युद्ध से त्रस्त दुनिया की चिंताएं बढ़ा दी हैं। क्योंकि यह युद्ध तीसरे विश्व युद्ध की ओर भी बढ़ सकता है ? युद्ध में अमेरिका, फ्रांस, जॉर्डन और ब्रिटेन ने जहां इजरायल का खुला समर्थन किया, वहीं ईरान के साथ सऊदी अरब, यमन, यूएई, ईराक और कुछ मध्य-एशिया के देश आगे आए हैं। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने चेतावनी दी है कि अगर इजराइल की तरफ से कोई कार्यवाही होती है तो उसे ईंट का जवाब पत्थर से मिलेगा। वह इजरायल के किसी भी हमले का उत्तर कोई देरी किए बिना तत्काल देगा और जरूरत पड़ने पर पहले कभी इस्तेमाल नहीं किए गए हथियार भी प्रयोग में ला सकता है। इससे संकेत मिलता है कि परमाणु हमले की स्थिति भी बन सकती है। इस लड़ाई के दूसरे पहलू महंगाई बढ़ने के साथ दुनिया में कच्चे तेल की कमी से जुड़े हैं। इस युद्ध के मद्देनजर संयुक्त राष्ट्र की अंतर्राष्ट्रीय परमाणु नियामक संस्था ने आशंका जताई है कि इजरायल आगामी दिनों में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बना सकता है। इस आशंका के चलते ईरान ने अपने परमाणु संयंत्रों को सुरक्षा कारणों से बंद कर दिया है। ईरान ने इजरायल पर हमला इसलिए किया, क्योंकि 1 अप्रैल 2024 को इजरायल ने सीरिया पर हमला किया था। जिसमें ईरान समर्थित इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद रजा जाहेदी समेत 8 अधिकारी मारे गए थे। ईरान ने इस हमले के जवाब में अप्रत्याशित रुख अपनाते हुए लगभग 320 ड्रोण और क्रूज मिसाइलों से हमला किया। ईरान इजराइल से करीब 1800 किमी की दूरी पर स्थित होने के बावजूद हमला करने में सफल रहा। ईरान ने 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद इजरायल से लंबी दुश्मनी के चलते पहली बार यह सैन्य हमला इसलिए किया, क्योंकि ईरान ने 1 अप्रैल को सीरिया पर हमला बोला था। इजरायल को अमेरिका ने जो मदद की है, उस संदर्भ में ईरान ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि उसने यदि अब इजरायल की मदद की तो नतीजा भुगतने को तैयार रहे। ईरान ने यह पलटवार इसलिए भी किया है, जिससे मध्य-पूर्व की राजनीति में उसके वर्चस्व की महिमा बनी रहे। यदि वह जवाबी हमला नहीं बोलता तो इजरायल और अमेरिका के खिलाफ उसकी जो धारणा हैं, वह ध्वस्त हो जाएगी। दरअसल ईरान इजरायल के अस्तित्व को स्वीकार नहीं करता है। उसका मानना है कि इजरायल ने मुस्लिमों की जमीन पर कब्जा कर रखा है। हालांकि हमले के बाद ईरान ने संयुक्त राष्ट्र को पत्र लिखकर मामले को यहीं समाप्त करने का भरोसा जताया है। लेकिन उसने यह भी कहा है कि यदि इजरायल ने जवाबी कार्यवाही की तो उसे गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। हालांकि इस परिप्रेक्ष्य में यह विरोधाभास देखने में आया है कि ईरान ने अमेरिका को इजरायल पर सीमित और नियंत्रित हमला करने की जानकारी पहले ही दे दी थी। यदि ईरान के विदेश मंत्री ने इस आशय का बयान दिया है। यदि इस बयान में सच्चाई है तो क्या यह मान लिया जाए कि अमेरिका दुतरफा कुटिल चालें चल रहा है। चूंकि अमेरिका ब्रिटेन और फ्रांस को ईरान द्वारा इजरायल पर किए जाने वाले हमले की जानकारी थी, इसलिए इन मित्र देशों ने ड्रोण और मिसाइलों को आसमान में ही नष्ट करने में इजरायल का सहयोग दिया ? इस मानसिकता को क्या माना जाए यह सोचने की बात है। इसीलिए युद्ध विश्लेषक यह अनुमान लगा रहे हैं कि इजरायल और हमास युद्ध तो अभी खत्म नहीं होगा, लेकिन ईरान-इजरायल का संघर्ष और बढ़ेगा। यह आशंका कम हैं। विश्व में शांति और सुरक्षा का दायित्व अंतरराष्ट्रीय संस्था संयुक्त राष्ट्र पर है, लेकिन पिछले कुछ सालों में देखने में आया है कि इस संगठन की भूमिका महत्वपूर्ण नहीं रह गई है। ज्यादातर वैश्विक संकटों के निदान में उसकी भूमिका पक्षपातपूर्ण होने के साथ गौण रही है। इसीलिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई वैश्विक मंचों पर इस संगठन को अप्रासंगिक घोषित कर चुके हैं। दरअसल यह संगठन विकसित देशों की मुट्ठी में कैद है। इसी कारण संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देश चीन के मनमाने रवैये के चलते भारत जैसा देश इसका स्थाई सदस्य नहीं बन पा रहा है। दरअसल विकसित देशों की महत्वाकांक्षा और अहंकार ऐसे कारण हैं, जो वैश्विक समस्याओं को निदान की ओर ले जाने के बजाय उन्हें उकसाने का काम भी करते हैं। इसलिए अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देश जहां इजरायल और यूक्रेन को समर्थन देने के साथ युद्ध सामग्री उपलब्ध कराने में मदद करते हैं, वहीं ईरान इजरायल पर हमला अमेरिका को संज्ञान में लाने के बाद करता है। विकसित देश क्या ऐसी कुटिलताएं लड़ाई को निरंतर चलाए रखने के लिए बरत रहे हैं ? कोविड संकट के बाद से ही दुनिया आर्थिक संकट से गुजर रही है। ऐसे में यदि युद्ध का दायरा बढ़ता है तो भारत समेत दुनिया के अनेक देशों को न केवल आर्थिक बल्कि अन्य संकटो से भी दो-चार होना पड़ सकता है। इसलिए मध्य-पूर्व के इस ताजा घटनाक्रम में भारत की चिंता बढ़ा दी है। क्योंकि इजरायल में 80,000 और ईरान में करीब 4000 भारतीय नागरिक कार्यरत है। ईरान ने इजरायल जा रहे जिस माल वाहक जहाज को अपने नियंत्रण में लिया हुआ है, उसमें भी चालक दल के 17 भारतीय हैं। इन्हें मुक्त कराने के प्रयास में भारत सरकार लगी हुई हैं। इजरायल के कई शहरों में भारतीय सूचना तकनीक, हीरा व्यापारी और घरों में काम करने वाले नौकर हैं। इनमें ज्यादातर लोग आंध्रप्रदेश, तेलंगाना और केरल के हैं। ईरान में भी 4000 के करीब लोग काम करते हैं। यदि युद्ध के हालात बनते हैं तो यूक्रेन की तरह भारतीयों को निकालने की जिम्मेदारी भारत सरकार को उठानी होगी। ईरान और इजरायल के बीच सीधा युद्ध होता है तो पूरी दुनिया में तेल की आपूर्ति भी बाधित होगी। ईरान ने स्वेज नहर से जहाजों की आवाजाही बंद करने की धमकी दी है। यदि ऐसा हुआ तो दुनियाभर में महंगाई तो बढ़ेगी ही, शेयर बाजार में भी गिरावट आएगी। इन कारणों के चलते कच्चा तेल सौ डॉलर प्रति बैरल से छलांग लगाकर 120 से लेकर 130 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकता है। जाहिर है, मीडिल ईस्ट से आने वाली महंगाई का उन देशों पर ज्यादा असर होगा, जो कच्चे तेल के लिए आयात पर निर्भर हैं। इससे ईंधन की महंगाई बढ़ेगी। इसकी चपेट में भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान आएंगे। स्वेज नहर बंद कर दी जाती है तो इस मार्ग से फारस की खाड़ी के देशों से जो खनिज और तेल भेजे जाते हैं, उनकी सप्लाई प्रभावित होगी। इसी नहर से एशियाई देश चाय, जूट, कपास, मसाले और चीनी जैसी आवश्यक वस्तुएं पश्चिमी यूरोप के साथ उत्तरी अमेरिका में निर्यात करते हैं, गोया यह निर्यात बाधित होगा। भारत का इतिहास रहा है कि उसने कभी अपनी ताकत दिखाने के लिए किसी दूसरे देश पर हमला नहीं किया है।

-प्रमोद भार्गव, लेखक/पत्रकार

जनता जागृत होगी तो देश बदलेगा और तंत्र बदलेगा

कलेक्टर के ऊपर कमिश्नर, कमिश्नर के ऊपर सेक्रेटरी ; सेक्रेटरी के ऊपर प्रिंसिपल सेक्रेटरी और प्रिंसिपल सेक्रेटरी के ऊपर कौन बैठा है? मिनिस्टर। और मिनिस्टर के ऊपर कौन बैठा है? प्रधानमंत्री। और प्रधानमंत्री के ऊपर कौन बैठी है? जनता। माने आप। तो कलेक्टर को वैसे ही चलना पड़ रहा है जैसी हमारी जनता है।क्योंकि वहाँ व्यक्तिगत स्तर पर कोई क्रांति की ही नहीं जा सकती। वहाँ पर आपको चलना ही वैसा पड़ेगा जैसा व्यवस्था चाहती है और व्यवस्था को निर्धारित करने वाले चंद लोग नहीं हैं। उस व्यवस्था को निर्धारित करने वाला जन समूह है, जन सामान्य है, सड़क का आम आदमी है। और सड़क का आम आदमी कैसा है, ? ये सबकुछ अगर बदलना है, तो आम आदमी को बदलना पड़ेगा, क्योंकि आम आदमी ही तो प्रधानमंत्रियों को चुन रहा है। प्रधानमंत्री आम आदमी का प्रतिनिधि ही नहीं, प्रतिबिम्ब भी है। अब मिनिस्टर साहब अच्छे-से-अच्छे ब्यूरोक्रेट पर भारी पड़ते हैं। एक अनपढ़ मिनिस्टर कैबिनेट सेक्रेटरी पर भारी पड़ता है। और कैबिनेट सेक्रेटरी ब्यूरोक्रेसी का सरताज है, उससे ऊपर कोई होता नहीं। दिल्ली में घटना घटी थी, सेक्रेटरी साहब पीट दिये गये। शायद छ: महीने पहले की बात होगी। दिल्ली सरकार के मंत्रियों ने मिलकर के मारा सेक्रेटरी को। अब ये वरिष्ठ आईएएस हैं, चीफ सेक्रेटरी को मारा। तुम तंत्र में बदलाव ला सकते हो। लोग कहते हैं, 'सिस्टम को बदलना है तो सिस्टम के भीतर जाना होगा ।कौन किसको बदल देगा, ? जब तुम्हारा और सिस्टम का आमना-सामना होगा, तो निश्चित रूप से दोनों एक दूसरे को प्रभावित करेंगे। तुम व्यवस्था को बदलोगे और व्यवस्था तुम्हें बदलेगी, पर ज्यादा कौन बदलेगा?व्यक्ति भी तंत्र को बदलेगा और तंत्र भी व्यक्ति को बदलेगा, पर व्यक्ति तंत्र को आमूलचूल बदल दे; ऐसा बड़ा मुश्किल है। ऐसा भी तब होगा जब सड़क का आम आदमी बदले, क्योंकि तंत्र भी जो लोग स्थापित कर रहे हैं वो किसके प्रतिबिम्ब हैं? सड़क के आम आदमी के। तो जब तंत्र को बदलने के लिए सड़क के आम आदमी की ही सहमति चाहिए, ।आम नागरिक अगर बदल गया, तो सारी व्यवस्थाएँ बदल जाएँगी, तो जरूरी है कि आम नागरिक की चेतना को जागृत किया जाए, फिर सारी व्यवस्थाएँ बदल जाएँगी। फिर कलेक्टर , कमिश्नर क्या, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति भी बदल जाएँगे; सब बदल जाएँगे! मंत्री जो आदेश दे रहे हैं, कौन सा सेक्रेटरी है जो उसमें रंच मात्र भी बदलाव ला सकता है? मंत्री ने तो चुनावों के समय ही जनता को वादा कर दिया था कि मुफ्त दाल-चावल, कलर टीवी, सब देंगे तुमको। ये बात घोषणापत्र में थी। मेनिफेस्टो क्या ब्यूरोक्रेट से पूछकर लिखा गया था?चुनाव में ही मंत्री जनता को वादा कर आये कि सबको इतने-इतने हजार रुपये मुफ्त बाँटे जाएँगे। और ये सब हुआ है, ये भी बोला गया है कि इतने किलो चावल मिलेगा, इतनी दाल मिलेगी, कलर टीवी मिलेगा; ये सब बोला गया है। अब ये सब बोल दिया गया है, मंत्री जी चुनाव में चुन लिये गये हैं, अब वो मंत्री बनकर बैठे हैं, तो वो बुलाते हैं, 'आओ भई सेक्रेटरी साहब।' सेक्रेटरी साहब कौन हैं? वो वरिष्ठ आईएएस हैं। उनसे बोलते हैं, 'अब इतने हजार करोड़ रुपये जनता में मुफ्त बाँट दो।' क्या अब ये सेक्रेटरी मना कर सकता है? वो कहते हैं कि अब इतने लोगों को इस तरीके से मुफ्त दाल-चावल देना है, सेक्रेटरी मना कर सकता है? तो आप क्या कह रहे हैं कि सेक्रेटरी नब्बे प्रतिशत तो अपने हिसाब से चलता है। वो ये कर सकता है कि जो पॉलिसी (नीति) बना ही दी गयी है, उसके भीतर वो अपना कुछ विवेक, अपना कुछ डिस्क्रिशन लगा दे। लेकिन पॉलिसी बनाने वाला तो बॉस बैठा है न ऊपर; पॉलिसी को थोड़े ही प्रभावित कर देगा ब्यूरोक्रेट। ऊपर पॉलिसी बन गयी। गलत पॉलिसी को तुम सही-से-सही तरीकेसे भी अगर

कार्यान्वित कर दोगे, इंप्लीमेंट कर दोगे, तो तुमने क्या कर लिया? कमिश्नर , कलेक्टर से क्या करवाएगा? पॉलिसी का एग्जीक्यूशन ही तो करवाएगा न? और वो पॉलिसी कहाँ से आ रही है? वो ऊपर से आ रही है। जब मूलभूत पॉलिसी ही गलत है, तो उसका अच्छा एग्जीक्यूशन करके भी तुम क्या पा लोगे? ज्यादा अगर गड़बड़ करोगे तो किसी नियम ने कोई बाध्यता नहीं लगा रखी है कि कितने तबादले हो सकते हैं तुम्हारे और कितनी बार (सस्पेंड) निर्लंबित हो सकते हो - इस पर कोई अप्पर लिमिट (ऊपरी सीमा) नहीं होती है, हर छ: महीने में तुम्हारे तबादले होते रहेंगे। जब तक जमीनी बदलाव नहीं आता, तब तक ऊपर से बदलना बहुत मुश्किल है।जनता अगर गलत हो, तो उसे अगर एक सही नेता मिल भी गया; तो उस सही नेता को चुनेगी नहीं, धोखे से अगर चुन भी लिया, तो उसकी सरकार को चलने नहीं देगी। तुम ये भूलो मत कि देश के जो सबसे पिछड़े हुए राज्य हैं वहाँ ही सबसे गलत नेता चुने जा रहे हैं। अगर लोग ही गलत हों और उन्हें किसी तरह से एक सही नेता मिल भी जाए, तो क्या वो उस सही नेता को जीने देंगे, काम करने देंगे? तो सबसे पहले लोगों को बदलना जरूरी है न। हम नेताओं को कहते रहते हैं, 'ये नेता बुरा है।' नेता को गाली देते हैं। एक सही उम्मीदवार चुनाव में खड़ा हो जाए, उसका जीतना देखा है कितना मुश्किल हो जाता है? हाँ, अब स्थितियाँ कुछ बदल रही हैं, क्योंकि लोगों में शिक्षा का स्तर बढ़ रहा है। सूचना बहुत तेजी से फैल रही है सोशल मीडिया के कारण, तो अब थोड़ा आसान हो गया है कुछ साफ-सुथरे लोगों के लिए भी चुनाव लड़ना, राजनीति में प्रवेश करना। पर आज से दस-बीस साल पहले देखो तो बड़ी विकट स्थिति थी। अभी चुनाव चल रहे हैं। जानते हो, लोकसभा का चुनाव अगर लड़ना है और गंभीरता से लड़ना है, तो कम-से-कम कितना खर्च करने के लिए तुमको तैयार रहना चाहिए? कम-से-कम? बोलो। पाँच करोड़ कम-से-कम! और विधानसभा लड़नी है तो एक-दो करोड़। कुछ अपवाद हो सकते हैं, अब ये जो पाँच करोड़ लग रहा है, ये क्यों लग रहा है? क्योंकि हम लोग ऐसे हैं, जो ज्यादा प्रचार कर देता है, वो हमें प्रभावित कर ले जाता है, हमारा वोट भी प्रभावित हो जाता है, नहीं तो अगर हम जागृत लोग होते, तो कहते कि जो ज्यादा प्रचार करेगा उसका प्रचार देख कर ही उसको वोट नहीं देंगे! जिसको इतना प्रचार और इतना विज्ञापन करना पड़ रहा है, वो आदमी ही गलत होगा। पर हम ऐसे लोग नहीं हैं न। हम तो चाहते हैं कि प्रचार हो, शराब की बोतलें बँटे, सौ-सौ रुपये में वोट कटें नहीं तो ये सब क्या चीजें हैं - बूथ मैनेजमेंट ? क्या जरूरत है भाई बूथ मैनेजमेंट की? जनता आएगी, वोट डालेगी। ये बूथ मैनेजमेंट क्या होता है? पर इन सब की जरूरत पड़ती है, क्योंकि जनता जागृत नहीं है।जनता जागृत होगी तो देश बदलेगा, तंत्र बदलेगा, नेता बदलेंगे, अफसर बदलेंगे, सब बदलेगा।और जनता को जागृत किये बिना जो लोग चाहते हैं कि व्यवस्था बदल दें, तंत्र बदल दें, वो सपने ले रहे हैं; उन्हें सपने लेने दो। ऐसे बहुत लोग हैं जो ये बात ही नहीं करते कि जनमानस कैसा है। वो ये बात ही नहीं करते कि आम आदमी की चेतना कैसी है। वो कहते हैं, 'नहीं, व्यवस्था बदलनी चाहिए। हम सिस्टम बदलेंगे।' सिस्टम बदल कर क्या होगा? सिस्टम को चलाने वाले कौन? हम लोग! अच्छे-से-अच्छा सिस्टम दे दो, हम उसको तबाह कर देंगे! भारत का इतना सुंदर संविधान है, तो? जिन्हें बर्बादी करनी है वो तो कर ही रहे हैं न। और लोग अगर जागृत हों, तो संविधान की बहुत जरूरत ही नहीं है। करना ही क्या है फिर नियम-कघयदे का? आप बदलोगे, तो आपके माध्यम से सब बदल जाएँगे। यहाँ बैठकर हम सब सामूहिक रूप से कोशिश कर रहे हैं इस वक्त कि पूरी दुनिया बदल जाए। अध्यात्म कोई व्यक्तिगत मसला भर नहीं है कि मेरे व्यक्तिगत जीवन में शांति आ जाए।हम अभी जो कर रहे हैं, वो देश सुधार, समाज सुधार, तंत्र सुधार, राजनीति सुधार, जगत सुधार का आंदोलन है। ये आमूलचूल क्रांति है जो इस वक्त यहाँ पर हो रही है।ये न समझिएगा कि अध्यात्म तो बंद कमरे के भीतर भजन-कीर्तन और सत्संग का नाम है। यहाँ से लहरें निकल रही हैं जो हर दिशा में फैलेंगी और सबकुछ बदल डालेंगी, चुपके-चुपके। अभी आंदोलन छोटा है तो पता नहीं चल रहा, पर ये बढ़ेगा, विस्फोट की तरह फैलेगा और सब बदलेगा। सब कूड़ा-कचरा जल जाएगा; रोशनी होगी। हाँ, उसमें कितना वक्त लगेगा; पता नहीं। आप और हम जीते-जी वो सब देख पाएँगे या नहीं, पता नहीं। परन्तु ये क्रांति रुकने वाली नहीं है। ये जो हो रहा है, ये तो होकर रहेगा। हम-आप उसको देखें; न देखें, हमारे-आपके माध्यम से हो; न-हो, पर होगा जरूर।आदमी के मन के अँधेरे को हटाने का नाम है 'अध्यात्म'। और रोशन मन से आप क्या नहीं कर सकते; जो कुछ भी करोगे, बेहतर ही करोगे।सही जनप्रतिनिधि भी कैसे चुनोगे? आप सीधा-सीधा सम्बन्ध देख पा रहे हो? कोई जगह पिछड़ी हुई क्यों है? कोई जगह अशिक्षित क्यों है? आदमी का आंतरिक अँधेरा और अन्धविश्वास। जब तक तुम्हारे मन में अन्ध विश्वास है, तब तक स्कूल, अस्पताल, सड़कें, बिजली, पानी इन सबकी हालत खराब ही रहेगी। और तुम बहुत ही भद्दे किस्म के नेता चुनते रहोगे। और अच्छे नेता आ भी जाएँगे तो तुम उन्हें काम नहीं करने दोगे। इन सब बातों का पारस्परिक सम्बन्ध आप देख पा रहे हैं या नहीं देख पा रहे हैं? ये सब बातें आपस में जुड़ी हुई हैं। इसीलिए अध्यात्म हर तरह की तरक्की का केंद्र है। अध्यात्म का मतलब त्याग और सन्यास और विरक्ति ही नहीं होता; अध्यात्म का मतलब होता है - जबरदस्त प्रगति भी।

-आचार्य प्रशांत, वेदांत मर्मज्ञ, लेखक, पूर्व सिविल सेवा अधिकारी संस्थापक, प्रशांत अद्वैत फाउंडेशन।

सीएम धामी ने घर घर जाकर ग्रामीणों से की मुलाकात

सीएम से की अधिवक्ताओं के पक्के चौंबरों का निर्माण कराने की मांग

खटीमा (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को अपने गृह क्षेत्र खटीमा के विभिन्न गांवों में घर-घर जाकर ग्रामीणों के साथ मुलाकात की। उन्होंने बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद लेने के साथ ही गांव में ही भोजन किया। मेलाघाट क्षेत्र में एक बच्ची के जन्मदिन पर केट भी काटा। सीएम देर शाम एक बरात में भी शामिल हुए। दोपहर को सीएम धामी कालापुल से विक्रम फार्म, टेलीफाल, खेलड़िया, बाइसपुल होते हुए मेलाघाट गांव पहुंचे। रास्ते में पड़ने वाले सभी गांवों के ग्रामीणों से मिलते हुए उनका हालचाल जानते रहे। सीएम ने बगुलिया, ऊंची बगुलिया, सिसैया, झनकईया, खाली मुअवट, अशोक फार्म, रस्तोगी फार्म में घर-घर जाकर ग्रामीणों से मुलाकात की और उनका हाल चाल जाना। वह मेलाघाट बाजार के व्यापारियों से भी मिले। सीएम धामी ने मेलाघाट गांव में पार्टी कार्यकर्ता सुधीश के घर पर जमीन पर बैठकर भोजन किया। साथ ही उनकी बच्ची को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए केक भी काटा। सीएम ने ग्रामीणों से मतदान पर्व में बढ़ चढ़कर भाग लेने की अपील की। वहां पर रमेश चंद्र जोशी, भास्कर जोशी, संतोष अग्रवाल, जीवन धामी आदि थे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार शाम खटीमा बाजार में चाट व गोलगप्पों का आनंद लिया। इस दौरान काफी संख्या में स्थानीय लोग मुख्यमंत्री से मिलने से पहुंचे। लोगों ने उनके साथ सेल्फी भी खिंचवाई। वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का बृहस्पतिवार शाम अधिवक्ताओं ने एक होटल में स्वागत किया। उन्होंने सीएम धामी के सामने अपनी विभिन्न मांगें भी रखीं। खटीमा अधिवक्ता एसोसिएशन के अध्यक्ष सूरज प्रकाश राणा ने कहा कि उन्होंने सीएम से अधिवक्ताओं के पक्के चौंबरों का निर्माण कराने की मांग की है। इसके अलावा जनहित में खटीमा में एआरटीओ कार्यालय की स्थापना, उप निबंधक कार्यालय और एडीएम कैंप कार्यालय खोलने की मांग भी की है।

उत्तराखंड में खुले रहेंगे सभी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज, विद्यालयों में रहेगी छुट्टी

देहरादून(उद संवाददाता)। लोकसभा चुनाव के लिए पहले चरण में होने वाले मतदान के दिन 19 अप्रैल शुक्रवार को प्रदेश के सभी राजकीय अस्पताल और मेडिकल कॉलेज खुले रहेंगे। डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ और कर्मचारियों की रोटेशन में ड्यूटी लगेगी, जिससे वे मतदान का प्रयोग कर सकें।इस संबंध में सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर राजेश कुमार ने आदेश जारी किए है। प्रदेश की पांचों लोकसभा सीटों पर शुक्रवार को होने वाले मतदान के लिए प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने मरीजों व आम लोगों की सुविधाओं को देखते हुए मतदान के दिन मेडिकल कालेज और अस्पताल खुले रखने का फैसला किया है। स्वास्थ्य सचिव ने सभी अस्पतालों और मेडिकल कालेज को निर्देश दिए कि इस तरह की व्यवस्था बनाई जाए, जिससे मरीजों और जनता को कोई असुविधा भी न हो और डाक्टर और मेडिकल स्टाफ मतदान में भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। स्वास्थ्य सचिव डा. आर राजेश कुमार ने प्रदेश के सभी मेडिकल कालेजों, अस्पतालों और जिला अस्पतालों को खुला रखने के आदेश दिए हैं। मतदान के दौरान चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों और आम लोगों को भी स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिल सके, इसके लिए राजकीय चिकित्सालयों में कार्यरत कर्मचारियों को मतदान के लिए समय दिया जाएगा। सभी कर्मचारी मतदान करें, इसके लिए चिकित्सा इकाई के चिकित्सा अधीक्षक या नियंत्रक अधिकारी की ओर से कर्मियों के मतदान को लेकर रोटेशन तैयार किया जाएगा ।मतदान को देखते हुए राज्य के सभी सरकारी, अशासकीय विद्यालयों, दुकानों और उद्योगों में छुट्टी रहेगी। सभी बैंक, कोषागार और उपकोषागार भी बंद रहेंगे। शासन और शिक्षा निदेशक की ओर से इस संबंध में आदेश जारी किया गया है।सचिव सामान्य प्रशासन दीपेंद्र कुमार चौधरी की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि उत्तराखंड में लोकसभा के सामान्य निर्वाचन 2024 के लिए 19 अप्रैल शुक्रवार को मतदान तिथि घोषित की गई है, जिसे देखते हुए सभी संस्थान, उद्योग, शैक्षणिक संस्थान, अर्द्ध निकायों, कारखाना अधिनियम के तहत कार्यरत कारीगरों, मजदूरों, दुकानों में कार्यरत मजदूरों के लिए सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। वहीं, शिक्षा निदेशक महावीर सिंह बिष्ट की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि सभी सरकारी, अशासकीय विद्यालयों, कार्यालयों में अवकाश घोषित किया गया है। शिक्षा निदेशालय, रामनगर बोर्ड, मंडलीय अपर निदेशक कार्यालय गढ़वाल व कुमाऊं, सभी मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालयों एवं सभी खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालयों में अवकाश रहेगा।

कांग्रेस नेताओं के खिलाफ आचार संहिता का उल्लंघन का केस दर्ज

हल्द्वानी। आचार संहिता का उल्लंघन करने के आरोप में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, उनके बेटे पूर्व विधायक संजीव आर्य समेत तीन नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि बृहस्पतिवार सुबह नेता प्रतिपक्ष आर्य, अपने बेटे के साथ पार्टी पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे थे। एफएसटी टीम राजीव कुमार ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य बृहस्पतिवार सुबह सात बजे कैमरामैन हरजेंद्र सिंह, कांस्टेबल भरत धानिक, होमगार्ड प्रीतम सिंह, चालक राजेंद्र सिंह के साथ आर्वेटित क्षेत्र हरिपुरा हरसान में चेकिंग कर भ्रमण कर रहे थे। इस दौरान सूचना मिली थी कि गांव जबरान निवासी अनिल सैन के घर पर चुनावी सभा की जा रही है। इसी सूचना पर वह टीम के साथ मौके पर पहुंचे। अनिल सैन के आंगन में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, उनके बेटे पूर्व विधायक संजीव आर्य और 20/25 लोग बैठे थे। जबकि आर्य अपनी पार्टी के पक्ष में मतदान करने को कहे रहे थे। टीम की ओर से वीडियोग्राफी की गई। लेकिन मौके से प्रचार प्रसार सामग्री, पोस्टर और बैनर घर पर लगे नहीं मिले।उन्होंने आचार संहिता के नियमों से अवगत कराया। जिस पर सभी लोग मौके से चले गए। एक स्थान पर लोगों का एकत्र होना आचार संहिता का उल्लंघन है। सीओ अन्नराम आर्य ने बताया कि आचार संहिता के उल्लंघन में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व विधायक संजीव आर्य, कांग्रेस के पूर्व ब्लाक अध्यक्ष अनिल सैन और एक अज्ञात के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर बरहैनी पुलिस चौकी प्रभारी गोविंद सिंह मेहता को सौंपी गई है।

मतदाताओं की पर्चियों में बना हुआ है कमल का फूल !

देहरादून(उद संवाददाता)। पूर्व सीएम एवं कोंग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट साझा करते हुए चुनाव आयोग से मतदाताओ को बांटी जा रही पर्चियों में बीजेपी के चुनाव चिन्ह लगाये जाने पर कार्यवाही की मांग की है।पूर्व सीएम हरीश रावत के अनुसार सावधान इलेक्शन कमिशन आप कहां हो हरिद्वार और देहरादून के सभी पोलिंग बूथ पर भाजपा के लोग मतदाताओं को जो पर्ची दे रहे हैं उनके मत पर संख्या नंबर पर आदि की उसे पर कमल का फूल बना हुआ है और मोदी जी का फोटो बना हुआ है यह पूर्णता चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन है मैंने कल भी ट्वीट करके ऐसी आशंका जताई थी आज वह असम का सही साबित हो रही है और अभी तक कहीं पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है कहीं जगह मशीनों के खराब होने की सूचनाओं मिल रही है जो चिंताजनक हैं। विडंबना, एक जबरदस्त विरोधाभास। चुनाव आयोग भारत के उस प्रत्येक नागरिक जिसको मतदान का अधिकार है, उसे प्रोत्साहित करता है कि वह मतदान करे और उसके लिए नाना प्रकार के कदम उठाने और नाना प्रकार की हस्तियों का सहयोग लेता और दूसरी तरफ जिस प्रशासन तंत्र पर चुनाव आयोग की भावना का सम्मान और नागरिक के मतदान का अधिकार का जो सर्वोच्च अधिकार है उसका सम्मान सुनिश्चित करने का दायित्व है, उसका आचरण बहुत ही विडंबना पूर्ण होता है, सबको मालूम है कि मतदाताओं को विशेष तौर पर महिला, कम पढ़े-लिखे मतदाताओं को मतदान केंद्र तक ले जाने में मतदाता पर्चियां जो मतदाता के घर तक पहुंचाई जाती हैं प्रशासन द्वारा उसका बड़ा योगदान रहता है। मगर इस बार चुनाव में दिखाई दे रहा है, मुझे रुड़की से, मंगलौर से और अब देहरादून अन्य कई जगह से शिकायतें मिली हैं कि वह मतदाता पर्चियां, उन मतदाताओं तक भी नहीं पहुंची हैं जो मतदाता लगातार अभी तक वोट डालते आये हैं और ऐसे लोग जिनके पास मतदान का अधिकार है, मगर मतदाता पर्चियां नहीं पहुंची हैं उनमें एक वर्ग विशेष के मतदाताओं की संख्या बहुत अधिक है और यह भी विडंबना पूर्ण है कि भाजपा जिन पर्चियां को बांट रही है, उन पर्चियां में श्री नरेंद्र मोदी जी की फोटो लगी है, माना कि पर्ची भी प्रचार कार्य है मगर उस पर्ची को लेकर के जब मतदाता वोटिंग स्थल पर जाएगा तो उसका स्पष्ट अर्थ है कि मतदाता, चुनाव आयोग के निर्देशों का उल्लंघन कर रहा है तो मतदाता को चुनाव आयोग के निर्देशों का उल्लंघन करने की स्थिति में लाने के लिए केवल-केवल भारतीय जनता पार्टी जिम्मेदार है और उसके साथ उतनी ही जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन की भी है जो इस तरीके के पर्चियां के वितरण को रोकता नहीं है।

पेज एक का शेष...

उत्साह के साथ मना लोकतंत्र...कालेज आदि मतदान केन्द्रों में मतदाताओं की लाईनें लगी रही। तो वहीं दोनहर तक नगर निगम, सनातन धर्म कन्या इंटर कालेज, रम्पुरा, गुरूनानक कन्या इंटर कालेज, गुरूनानक पब्लिक स्कूल, बाल भारती पब्लिक स्कूल आदि मतदान केन्द्रों में मतदाताओं की संख्या में काफी कमी आ गई। यहां तक कि कई कक्षों के बाहर तो एक भी मतदाता नजर नहीं आ रहा था। इसके बाद गर्मी कम होते ही मतदाताओं की संख्या फिर से बढ़ने लगी। सभी मतदान केन्द्रों के बाहर व अन्दर सुरक्षा बल पूरी तरह से मुस्तैद नजर आया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी उदयराज सिंह, एसएसपी मंजूनाथ टीसी सहित सभी चुनाव एवं मतदान अधिकारी मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे और ड्यूटी पर तैनात मतदान कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते रहे। **हल्द्वानी**- लोकसभा चुनाव के लिए यहां भी शांतिपूर्वक मदान हुआ। मतदान के समय भीमताल में एक, हल्द्वानी में दो व रामनगर में एक ईवीएम मशीन खराब हो गई। जिसके चलते बूथों पर करीब 10 मिनट तक वोटिंग प्रक्रिया थम गई। कंट्रोल रूम से मिली सूचना के मुताबिक भीमताल में एक सीयू- बीयू(ईवीएम), हल्द्वानी में दो सीयू -बीयू व रामनगर में एक सीयू-बीयू व दो वीवीपैट मशीनें तकनीकी दिक्कत के चलते नहीं चली। जबकि मतदान के समय से पूर्व हूए माकपाल के दौरान कुल 65 मशीनें खराब हो गई थी, जिन्हें तुरंत बदल दिया गया था। यहां राज्य स्तरीय राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष सुरेश भट्ट ने अपने परिवार जनों के साथ कालाढूंगी विधानसभा के बूथ संख्या 49 राजकीय प्राथमिक विद्यालय रूपपुर में वोट डालकर लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। इस दौरान उन्होंने लोगों से लोकतंत्र के इस उत्साह पर प्रतिभाग कर मजबूत और स्थाई सरकार के लिए मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश ने खालसा गर्ल्स इंटर कॉलेज में किया मतदान और कहा कि लोकतंत्र के महापर्व मे सभी को भागीदारी करनी चाहिए और अपने मतदान से लोकतंत्र की रक्षा करनी चाहिए। **हरिद्वार**- योगगुरु बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने कनखल के दादूबाग में बने पोलिंग बूथ पर वोट डाला और सभी लोगों से मतदान करने की अपील की। मीडिया से बातचीत के दौरान बाबा रामदेव ने कहा कि भारत को आर्थिक, शिक्षा, चिकित्सा और सांस्कृतिक गुलामी से मुक्ति दिलाने के लिए उन्होंने वोट दिया है। पांच लाख से ज्यादा वीर वीरांगनाओं की शहादत की वजह से हमें वोट करने का अधिकार मिला है। इसलिए संविधान की रक्षा, राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए लोगों को वोट जरूर करना चाहिए। **गदरपुर**- शुक्रवार की सुबह 7 से ही लोग अपने मत का प्रयोग करने के लिए लाइनों में लगकर शांतिपूर्ण तरीके से वोट डालते हुए देखे गए सुबह 7से 11तक अच्छी खासी भीड़ पोलिंग बूथ पर देखी गई 11 के बाद कुछ गर्मी को देखते हुए पब्लिक की रफ्तार थोड़ी कम हुई वहीं सुरक्षा की दृष्टि से हर पोलिंग बूथ पर पुलिस के सिपाही तैनात नजर आए और उनकी वोटिंग करवाते नजर आए समाचार लिखे जाने तक कोई भी अप्रिय घटना सामने नहीं आई और लगभग 1तक गदरपुर क्षेत्र में 42 परसेंट वोटिंग हो पाई।

सौतेली मां ने मासूम बच्ची को ...तथा 6 वर्ष की पुत्री तनु है। पता चला है कि छोटी बेटी की डिलीवरी के कुछ समय बाद रीना की मृत्यु हो गई। पत्नी की मृत्यु के बाद मोनू ने फजलपुर डिलारी निवासी लक्ष्मी नामक एक अन्य युवती से शादी रचा ली। लक्ष्मी से भी दो बेटियां हैं। बताया गया कि लक्ष्मी का बर्ताव सौतेली बेटियों के प्रति ठीक नहीं था। वह अक्सर बेटियों को प्रताड़ित किया करती थी। बीते बुधवार को अचानक 8 वर्षीय सोनी घर से गायब हो गई। शाम को जब मोनू घर आया और उसे पता चला की बेटी गायब है तो उसने संभावित स्थानों पर तलाश के बाद मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए बच्ची का पता लगाना शुरू किया। इसी क्रम में जब पुलिस ने शिकायतकर्ता के घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को बारीकी से चेक किया तो पता चला कि पड़ोस में रहने वाले राम खिलाड़ी के घर में मोनू की पत्नी लक्ष्मी मासूम सोनी को लेकर गई थी। लक्ष्मी से गहन पूछताछ करने पर उसने गुनाह कबूल करते हुए मासूम को जमीन में दफन करने की बात कही। पुलिस ने रात्रि लगभग 12 बजे स्थानीय लोगों की मौजूदगी में जमीन में दफन बच्ची को खोदकर शव बाहर निकाला। बच्ची के हाथ पैर बंधे हुए थे और उसे बोरे में डालकर जमीन में दफन किया गया था। मंजर देखते ही लोगों में महिला की प्रति आक्रोश भरने लगा। आज पुलिस ने मासूम के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया। मृतक परिजनों ने बताया कि पुलिस यदि समय रहते घटना की तह तक नहीं पहुंच पाती तो तमाम बेगुनाहों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता।

अर्जुनपुर में ग्रामीणों ने ...का कहना था कि अर्जुनपुर से रूद्रपुर को जाने वाला मार्ग बेहद खस्ता हाल है इसमें आये दिन हादसे होते हैं, स्कूली बच्चों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। युवाओं का कहना था कि वह किसी पार्टी से नहीं है उन्हें सड़क चाहिए। ग्रामीणों ने विधायक अरविंद पाण्डे के खिलाफ भी नाराजगी जाहिर की। इस दौरान बहिष्कार करने वालों में बलविंदर सिंह, इंदर सिंह, महेंद्र सिंह, नीरज कुमार, मंगत सिंह, मंगल सिंह, बलबीर सिंह बॉबी, अमरजीत सिंह, गुरदेव सिंह, हरदेव सिंह, लखविंदर सिंह, दर्शन सिंह, गुरमीत सिंह, प्रेम सिंह, हरनाम सिंह, मलूक सिंह, दिलजीत सिंह, राजेंद्र सिंह, लखविंदर सिंह, परमजीत सिंह, कुलवंत सिंह, राजेंद्र सिंह, हरपाल सिंह, जसपाल सिंह,अमरजीत सिंह, गुरु चरण सिंह आदि शामिल थे।

दफन करने से ...गेट खुलवा लिया और जब सब काम पर चले गए तो मौका पाकर उसने मासूम को राम खिलाड़ी के मकान में चुपचाप दफन कर दिया। 17 की शाम 5:40 पर नाटकीय अंदाज में लक्ष्मी ने पति को फोन कर बताया कि सोनी गायब है। पति ने संभावित स्थानों पर तलाश के बाद इसी रात मामले की सूचना पुलिस को दी और पुलिस ने 48 घंटे के अंदर सनसनी खेज घटनाक्रम का राजफाश कर दिया।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

युवा मतदाताओं में दिखा जोश

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। आज प्रात: लोकसभा चुनाव के लिए हुए मतदान में युवा मतदाताओं में खसा उत्साह नजर आया। कई युवाओं ने तो पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान करने के बाद उनके चेहरों पर एक अलग खुशी नजर आ रही थी। पहली बार मतदान करने आई युवतियां अपने परिजनों के साथ मतदान केन्द्रों पर पहुची तो युवा मतदाता पहली बार मतदान करने वाले दोस्तों के साथ मतदान केन्द्रों पर आये। बातचीत करने पर उन्होंने बताया कि लोकतंत्र के इस पर्व में भागीदारी करना उन्हें बहुत अच्छा लगा। इस क्षण को वह हमेशा याद रखेंगे।

सौरभ बहुगुणा ने पत्नी संग डाला वोट

सितारगंज (उद संवाददाता)। नैनीताल लोकसभा सीट के लिए शुक्रवार की सुबह से ही मतदाताओं ने विभिन्न दलीय और निर्दलीय प्रत्याशियों के लिए मतदान किया। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने पत्नी सुमेधा बहुगुणा के साथ राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के पोलिंग बूथ पर जाकर कतारबद्ध तरीके से मतदान किया। उन्होंने कहा कि आपका वोट बहुमूल्य है। उन्होंने देवभूमि के सर्वांगीण विकास को देखकर देश को सशक्त बनाकर मजबूत प्रतिनिधित्व करने वाली सरकार के पक्ष में मतदान की अपील है। इस दौरान बुजुर्ग मतदाताओं को मतदान स्थल तक पहुंचने में दिक्कतें हुई। सुबह करीब 7:00 से क्षेत्र के 136 पोलिंग बूथ पर मतदान शुरू

हुआ। सुबह से ही पोलिंग बूथ पर मतदाताओं की लंबी कतारें लगी रहे। कुछ बूथों पर धीमी गति से मतदाताओं ने मतदान कराने का आरोप भी लगाया। दोपहर बाद तेज धूप होने के बाद शहर के राजकीय इंटर कॉलेज में बनाए गए कुछ बूथों पर सन्नाटा पसर गया। इधर सोशल मीडिया पर विभिन्न लोग मतदान के लिए अपील करते देखे गए। इस बीच पहले मतदान बाद में जलपान ट्रेंड में रहा। इस दौरान सुबह 11 बजे तक करीब 31 फीसद मतदान दर्ज किया गया। समस्त पोलिंग बूथ पर मतदान के दौरान रिटर्निंग ऑफिसर रविंद्र कुमार, कोतवाल भूपेंद्र बृजवाल, एसएसआई कविंद्र शर्मा व्यवस्थाओं पर नजर बनाए रहे।

मुस्लिम समाज ने भी दिखाया उत्साह

रूद्रपुर। पांच वर्ष पूर्व हुए लोकसभा चुनाव में मुस्लिम समाज द्वारा मतदान को लेकर जो उत्साह दिखाया गया था इस बार भी वह मतदान करने में पीछे नहीं रहे। आर्य कन्या इंटर कालेज, भूतबंगला, खेड़ा आदि मतदान केन्द्रों में मुस्लिम समाज के मतदाताओं ने जमकर वोट बरसाये। विशेषकर महिलाओं में तो मतदान को लेकर उत्साह दिखाई दिया।

विधायक शिव अरोरा ने किया मतदान

रुद्रपुर(उद संवाददाता)लोकसभा चुनाव में विधायक शिव अरोरा ने अपने बूथ संख्या -133, कोलम्बस पब्लिक स्कूल मतदान केंद्र जाकर अपने मतधिकार का प्रयोग किया। इस दौरान विधायक शिव अरोरा ने रुद्रपुर विधानसभा के समस्त नागरिकों से अपील की लोकतंत्र के इस महापर्व मे एक जागरूक नागरिक की भूमिका निभाते हुए लोकतंत्र के सजग प्रहरी के रूप मे अपने मत के अधिकार का उपयोग जरूर करें । विधायक शिव अरोरा ने कहा कि शत प्रतिशत मतदान को सुनिश्चित कराने के लिए अपने घरो से निकलें और पहले मतदान फिर जलपान के नारे को सार्थक करते हुए

लोकतंत्र के महापर्व मे एक देशभक्त नागरिक के रूप मे वोट अवश्य डालें। विधायक शिव अरोरा ने कहा कि वह क्षेत्र मे भ्रमण पर निकले है और हर मतदान केंद्र पर भारी उत्साह है और लोग सुबह से ही वोट डालने परिवार के साथ निकले है। उम्मीद है कि इस बार जनता मे जगरूकता है और मतदान प्रतिशत मे काफी बेहतर रहने वाला है। विधायक शिव अरोरा ने सभी से अपील की अपने मत के अधिकार का प्रयोग करते हुए एक जगरूक नागरिक का परिचय देते हुए वोट डाले और अपने आस पास वोट डालने के लिये लोगो को प्रेरित करें।

हरिद्वार में मतदान के दौरान ईवीएम तोड़ने का प्रयास

हरिद्वार। ज्वालापुर इंटर कॉलेज में बने मतदान केंद्र में एक व्यक्ति ने मुक्का मारकर ईवीएम मशीन तोड़ने का प्रयास किया। जिससे अफरा-तफरी मच गई। सुरक्षा बलों ने उसे हिरासत में ले लिया। घटना ज्वालापुर इंटर कॉलेज के बूथ नंबर 124 पर हुई। व्यक्ति ईवीएम से मतदान प्रक्रिया पर नाराज था। निर्वाचन टीम ने ईवीएम मशीन को चेकर करने के बाद पुन: मतदान शुरू कराया। कोतवाली प्रभारी रमेश तनवार ने बताया कि व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया है, अभी पीठासीन अधिकारी की ओर से कोई तहरीर नहीं आई है। लिखित शिकायत आने पर उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस के बस्ते दिखे नदारद

रूद्रपुर। जहां हर चुनाव में चाहे वह निकाय का हो या विधानसभा का या लोकसभा का कांग्रेस हमेशा पूरे जोश के साथ इसमें भागीदारी करती रही है। परंतु वर्तमान लोकसभा चुनाव में स्थिति इससे हटकर नजर आई। महानगर क्षेत्र में कई मतदान केन्द्रों के बाहर तो कांग्रेस के हर चुनाव लगने वाले बस्ते इस बार नदारद दिखे। जिसको लेकर लोगों में कई तरह की चर्चाएं जोरों पर रही।

भाजपा प्रत्याशी अजय भट्ट अपने लिये नहीं डाल पाये वोट

रूद्रपुर। भाजपा प्रत्याशी अजय भट्ट अपने लिए वोट नहीं कर पाये। उन्होंने रानीखेत में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अजय भट्ट ने रानीखेत में अपनी पत्नी के साथ के बूथ पर पहुंचकर मतदान किया। उन्होंने समस्त मतदाताओं से मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र को मजबूत करने में अपनी भागीदारी निभाने की अपील की।

कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश जोशी ने खेमपुर बूथ में किया मतदान

कालाढुंगी (उद संवाददाता)।कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश जोशी व उनकी धर्मपत्नी ने कालाढूंगी विधानसभा अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालय खेमपुर (गैबुवा) में प्रात: मतदान किया। प्रकाश जोशी ने कहा आम जनमानस परिवर्तन का मन बना चुका चुका है। परिणाम की मात्र औपचारिकता शेष है।जनता जनार्दन वर्तमान व्यवस्था से त्रस्त है जैसे अंकिता भंडारी, बेरोजगारी, अग्निवीर, बढ़ती महँगाई आदि के खिलाफ महिलाएँ युवा प्रत्येक वर्ग एक जुटाकर होकर परिवर्तन लाकर खुशाल रहना चाहता है। कुमाऊँ मण्डल मीडिया प्रभारी नीरज तिवारी ने कहा चुनाव के परिणाम अभूतपूर्ण व चौंकाने वाले होंगे प्रकाश जोशी की जीत भारी मतों से होगी।